

## झारखंड ग्रामीण बस योजना

### चर्चा में क्यों?

झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार की महत्वाकांक्षी **मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना' (MMGGY)** शुरू की, जो दूरदराज़ के क्षेत्रों में बस सेवाओं की सुविधा के लिये एक ग्रामीण परिवहन योजना है।

### मुख्य बटु:

- **योजना का प्राथमिक उद्देश्य** ब्लॉकों, उपखंडों और ज़िला मुख्यालयों के बीच कनेक्टिविटी स्थापित करना है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दूरदराज़ के गाँवों के निवासियों को सुविधाजनक परिवहन प्रणाली तक पहुँच प्राप्त हो।
- ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 15,000 कमी. सड़कें बनाई जा रही हैं। **वरिष्ठ नागरिकों, स्कूल एवं कॉलेज के छात्रों, शारीरिक रूप से दबियांग, ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस (HIV) पॉजिटिव, वधवाओं और झारखंड आंदोलन के कार्यकर्त्ताओं** को बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी।
  - योजना के पहले चरण के तहत सरकार ने 250 वाहनों को संचालित करने का निर्णय लिया है। ऑपरेटरों को आकर्षित करने के लिये परमिट, पंजीकरण और फटिनेस शुल्क भी घटाकर 1 रुपए कर दिया गया है।
- सीएम के मुताबिक, **रांची, गुमला और लोहरदगा के 24 हजार से ज़्यादा लाभार्थियों को अबुआ आवास योजना** का स्वीकृति पत्र दिया गया।
  - लाभार्थियों के बैंक खातों में प्रथम कसित के रूप में 72.35 करोड़ रुपए की धनराशि हिस्तांतरित की गई।
  - तीन माह बाद योजना के तहत नौ लाख आवास आवंटित किये जायेंगे।

## मुख्यमंत्री ग्रामीण गाड़ी योजना

- यह झारखंड सरकार द्वारा **वर्ष 2023** में ग्रामीण क्षेत्रों में **लोगों को आसान परिवहन सुविधा प्रदान करने** के उद्देश्य से शुरू की गई एक योजना है।
- यह योजना उन क्षेत्रों में वाहनों का संचालन करेगी जहाँ लोगों को मुख्य सड़क या निकटतम शहर तक पहुँचने के लिये कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है।
- इससे **किसानों, मज़दूरों, छात्रों, मरीज़ों और अन्य ग्रामीण नागरिकों को लाभ होगा** जिन्हें परिवहन विकल्पों की कमी के कारण आने-जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

## अबुआ आवास योजना (AAY)

- इस योजना के तहत **अगले दो वर्ष में लगभग 15 हजार करोड़ रुपए से ज़्यादा खर्च कर** राज्य सरकार अपनी नधि से **ज़रूरतमंद लोगों को आवास** उपलब्ध कराएगी।
- योजना के तहत गरीबों, वंचितों, मज़दूरों, किसानों, आदवासियों, पछिड़ों और दलितों को **3 कमरे के आवास उपलब्ध करवाएँ जाएंगे**।